बरेली, सोमवार
18 मई, 2026
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 7.00
पृष्ठ 16+4=20

दैनिक जागरण

PAGE NO.- III : BOTTOM

रिद्धिमा में नृत्य नाटिका जोधा अकबर का हुआ मंचन

बरेली: एसआरएमएस रिद्धिमा में रविवार शाम नृत्य नाटिका 'जोधा अकबर' का मंचन हुआ। इसमें कथक गुरुजन और विद्यार्थियों को इस नृत्य नाटिका में कहानी के माध्यम से प्रेम, विश्वास और सांस्कृतिक एकता की गाथा को मंचित किया गया।

नाटक में दर्शाया गया कि राजपूत राजकुमारी जोधा भगवान श्रीकृष्ण की अनन्य भक्त हैं, जबकि सम्राट अकबर इस्लाम धर्म के अनुयायी हैं। दोनों के बीच विचारों का अंतर होने के बावजूद उनके संबंधों में प्रेम, सम्मान और समझ की भावना बनी रहती है। प्रस्तुति का आरंभ राजमहल के भव्य दृश्य से होता है, जहां राजपूताना संस्कृति, लोक संगीत और पारंपरिक नृत्य ने दर्शकों को मुगलकालीन वातावरण का अनुभव कराया। अकबर और महारानी जोधा दोनों पक्षों को यह समझाने का प्रयास करते हैं कि धर्म मनुष्य को जोड़ने का माध्यम है, विभाजन का नहीं। अंतिम दृश्य में पंडित और मौलवी आपसी समझ, सम्मान और सहमति के साथ विवाद को समाप्त करते हैं।

अकबर के दरबार में कथक के विद्यार्थियों ने गीत केसरिया बालमा और सुंदर गोरी रे को प्रस्तुत किया। दोनों के विवाह पर कथक के विद्यार्थियों ने छाप तिलक सब छीनी रे, जोधा के कृष्ण आराधना और ख्वाजा मेरे ख्वाजा गीत पर नृत्य किया। नृत्य नाटिका में अकबर की भूमिका कथक गुरु देवज्योति और जोधा की भूमिका कथक गुरु रियाश्री चटर्जी ने निभाई। इस दौरान ट्रस्ट के संस्थापक देव मूर्ति, आशा मूर्ति, ऋचा मूर्ति, उषा गुप्ता, डा. रजनी अग्रवाल,आदित्य मूर्ति आदि मौजूद रहे। (वि.)